15-06-2023

भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता

समाचार पत्रों में क्यों?

भारत और यूएई ने भारत-यूएई सीईपीए की संयुक्त समिति (जेसी) की पहली बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया। जेसी के दौरान, दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत द्विपक्षीय व्यापार की समीक्षा की।

त्वरित मुद्दा?

- केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिय कि भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 16.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ समझौते का सकारात्मक असर दिखने लगा है और यह वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान लगभग 84.84 अरब डॉलर के अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर तक पहुंचने गया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने 2030 तक गैर-तेल व्यापार को मौजूदा 48 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। 100 अरब डॉलर के लक्ष्य में तेल व्यापार शामिल नहीं होगा।
- सेवा व्यापार से संबंधित मुद्दों को संभालने के लिए देशों ने एक नई उप-समिति स्थापित करने का भी निर्णय लिया।
- समझौते के कार्यान्वयन को और सुविधाजनक बनाने के लिए भारत-यूएई सीईपीए परिषद की भी स्थापना की जाएगी।
- यह परिषद एमएसएमई, स्टार्टअप, महिला उद्यमी, सेवा क्षेत्र के प्रतिभागियों जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- यह एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता है जिसमें सेवाओं एवं निवेश के संबंध में व्यापार और आर्थिक साझेदारी के अन्य क्षेत्रों पर बातचीत करना शामिल है।
- यह व्यापार सुविधा और सीमा शुल्क सहयोग, प्रतिस्पर्द्धा तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे क्षेत्रों पर बातचीत किये जाने पर भी विचार कर सकता है।
- साझेदारी या सहयोग समझौते मुक्त व्यापार समझौतों की तुलना में अधिक व्यापक हैं।
- यह समझौता व्यापार के नियामक पहलू को भी देखता है और नियामक मुद्दों को कवर करने वाले एक समझौते को शामिल करता है।
- भारत ने अभी तक केवल यूएई, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

वैश्विक दासता सूचकांक 2023

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में द वॉक फ्री फाउंडेशन ने वैश्विक दासता सूचकांक 2023 जारी किया, जो 160 देशों में आधुनिक गुलामी की स्थिति का आकलन है।

त्वरित मुद्दा?

- वैश्विक दासता सूचकांक 2023 प्रकाशित किया गया। इसका प्रकाशन वॉक फ्री, एक मानवाधिकार संगठन द्वारा किया गया है और यह आधुनिक दासता के वैश्विक अनुमानों द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों पर आधारित है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- यह ग्लोबल स्लेवरी इंडेक्स का पांचवां संस्करण है और यह 2022 के अनुमानों पर आधारित है।
- इसके अनुसार, 2021 में किसी भी दिन, 50 मिलियन से अधिक लोग " आधुनिक गुलामी" में रह रहे थे। इन 50 मिलियन में, 28 मिलियन जबरन श्रम और 22 मिलियन जबरन विवाह से पीड़ित हैं। इन 50 मिलियन में से 12 मिलियन बच्चे हैं।
- भारत, चीन, रूस, इंडोनेशिया, तुर्की और अमेरिका उन शीर्ष G20 देशों में शामिल हैं जहां सबसे अधिक संख्या में बंधुआ मजदूर हैं।
- उच्चतम प्रसार वाले देश उत्तर कोरिया (104.6), इरिट्रिया (90.3), और मॉरिटानिया (32.0) हैं, जहां आधुनिक गुलामी व्यापक और अक्सर राज्य प्रायोजित है।
- सबसे कम प्रचलन वाले देश स्विट्जरलैंड (0.5), नॉर्वे (0.5), और जर्मनी (0.6) हैं, जहां मजबूत शासन और आधुनिक गुलामी के लिए प्रभावी प्रतिक्रियाएं स्पष्ट हैं।
- सूचकांक के अनुसार, "आधुनिक गुलामी" शोषण की स्थितियों को संदर्भित करता है जिसे कोई व्यक्ति धमकी, हिंसा, जबरदस्ती, धोखे या शक्ति के दुरुपयोग के कारण मना नहीं कर सकता है या छोड़ नहीं सकता है।
- आधुनिक गुलामी एक अंब्रेला शब्द है और इसमें कई तरह की शब्द शामिल हैं जैसे: जबरन मज़दूरी कराना, ज़बरदस्ती की शादी, ऋण बंधन, यौन शोषण, मानव तस्करी, गुलामी जैसी प्रथाओं, जबरन या दास विवाह, और बच्चों की बिक्री और शोषण शामिल हैं।
- संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) (लक्ष्य 8.7) भी आधुनिक दासता को समाप्त करने का संकल्प लेता है।

Most prevalent

The countries estimated to have the highest prevalence of modern slavery tend to be conflict-affected, have state-imposed forced labour, and have weak governance.

	Rank	Prevalence Rate*	# of People
North Korea	1	104.6	2,696,000
Eritrea	2	90.3	320,000
Mauritania	3	32.0	149,000
Saudi Arabia	4	21.3	740,000
Türkiye	5	15.6	1,320,000

Least prevalent

The countries with the lowest prevalence of modern slavery are those with strong governance and strong government responses to modern slavery.

	Rank	Prevalence Rate*	# of People
Switzerland	160	0.5	4,000
Norway	159	0.5	3,000
Germany	158	0.6	47,000
Netherlands	157	0.6	10,000
Sweden	156	0.6	6,000

अमेरिका यूनेस्को में फिर होगा शामिल

समाचार पत्रों में क्यों?

संयुक्त राज्य अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) में फिर से शामिल होने का निर्णय लिया है।

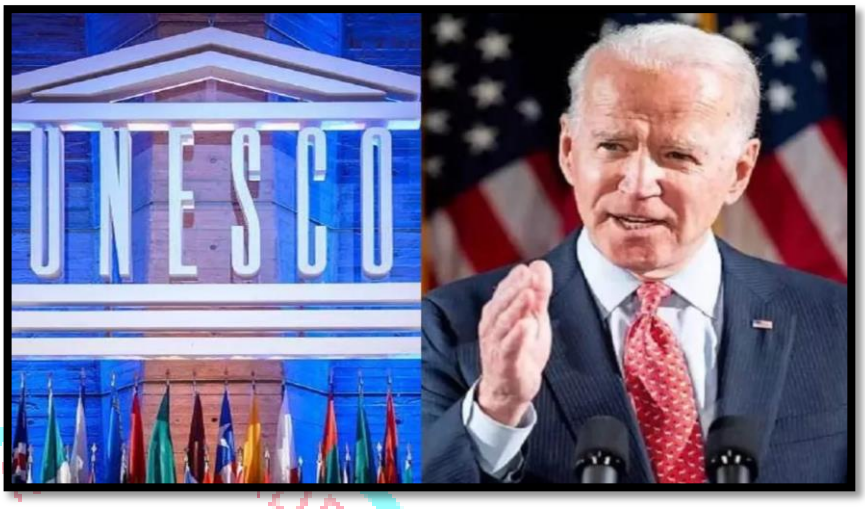

त्वरित मुद्दा?

- साथ ही बकाया राशि में Rs. 600 मिलियन से अधिक का भुगतान करने के अपने निर्णय की घोषणा की है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- ट्रम्प प्रशासन ने यूनेस्को को इजरायल विरोधी पूर्वाग्रह वाला माना और संगठन के कार्यक्रमों की प्रभावशीलता और मूल्य के बारे में चिंता जताई और 2017 में यूनेस्को से पूरी तरह से हटने के अपने फैसले की घोषणा की थी।
- अमेरिका यूनेस्को में चीन के बढ़ते प्रभाव से चिंतित है, खासकर प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित क्षेत्रों में।
- यूनेस्को में फिर से शामिल होकर, बाइडेन प्रशासन का लक्ष्य अमेरिकी हितों पर जोर देना, प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना और इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक मानकों को आकार देना है।
- यूनेस्को की स्थापना 1945 में हुई थी। इसका मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में है। यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। इसका मूल संगठन संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद है।
- इसका उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से शांति का निर्माण करना है।
- यूनेस्को के 193 सदस्य और 11 सहयोगी सदस्य हैं (अप्रैल 2020 तक)। तीन यूनेस्को सदस्य राज्य (कुक आइलैंड्स, नीयू और फिलिस्तीन) संयुक्त राष्ट्र के सदस्य नहीं हैं, जबकि तीन संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्य (इजराइल, लिकटेंस्टीन, संयुक्त राज्य अमेरिका) यूनेस्को के सदस्य नहीं हैं।

न्यूज फटाफट

भारतीय नौसेना हेतु स्वदेशी जहाज़ निर्माण 'अंजदीप'

- तीसरे एंटी-सबमरीन शैलो वाटर क्राफ्ट (ASMSWC) जहाज़ 'अंजदीप' का शुभारंभ भारतीय नौसेना के स्वदेशी जहाज़ निर्माण प्रयासों में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है।
- लार्सन एंड टुब्रो (L&T) शिपबिल्डिंग के सहयोग से गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा निर्मित अंजदीप लॉन्च समारोह 13 जून, 2023 को कट्टुपल्ली, तमिलनाडु में आयोजित किया गया।
- जहाज़ का नाम अंजदीप है, जो कर्नाटक के करवार तट पर एक रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण द्वीप है, यह एक ब्रेकवाटर द्वारा मुख्य भूमि से जुड़ा हुआ है और आवश्यक समुद्री भूमिका निभाता है।

- इसके अलावा यह बड़े INS कदंब नौसैनिक अड्डे का हिस्सा है। ASW SWC परियोजना में कुल आठ जहाज़ों का निर्माण शामिल है, जिन्हें मौजूदा अभय क्लास ASW कॉर्वेट्स को बदलने हेतु डिज़ाइन किया गया है।
- ये अर्नाला श्रेणी के जहाज़ विशेष रूप से तटीय जल में पनडुब्बी रोधी संचालन, अल्प तीव्रता समुद्री संचालन (Low Intensity Maritime Operations- LIMO) और माइन बिछाने के संचालन हेतु डिज़ाइन किये गए हैं, जिसमें तटीय जल में उपसतह निगरानी भी शामिल है।
- ये जहाज़ 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री से युक्त हैं, भारतीय विनिर्माण इकाइयों द्वारा बड़े पैमाने पर रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया गया है, साथ ही नौसैनिक रक्षा में देश की क्षमताओं को मज़बूत करते हुए रोज़गार के अवसरों को बढ़ावा दिया है।

एकुवेरिन अभ्यास

- भारतीय सेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के बीच 11 से 24 जून, 2023 तक चौबटिया, उत्तराखंड में होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास "एक्स एकुवेरिन" के 12वें संस्करण की शुरुआत हो गई है।
- इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के अनुसार काउंटर इंसर्जेंसी/आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन में इंटरऑपरेबिलिटी/अंतरसंचालानीयता को बढ़ाना तथा संयुक्त मानवीय सहायता तथा आपदा राहत कार्यों को पूरा करना है।
- मालदीव, श्रीलंका के दक्षिण-पश्चिम में हिंद महासागर में स्थित एक द्वीप समूह है।
- यह लगभग 1200 छोटे प्रवाल द्वीपों की एक शृंखला से बना हुआ है जो एटोल (Atolls) समूहों के रूप में व्यवस्थित हैं।
- मालदीव की राजधानी और सबसे बड़ा शहर माले है। यहाँ की अधिकांश आबादी इस्लाम का अनुसरण करती है।
- मालदीव की आधिकारिक भाषा धिवेही है। यहाँ अंग्रेज़ी, खासकर पर्यटन क्षेत्रों में, भी व्यापक रूप से बोली जाती है।

कैप्टागन पिल्स संकट

- हाल ही में रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि इस्लामिक स्टेट (IS) और सीरियाई विद्रोहियों ने भीषण लड़ाई के दौरान सतर्कता बढ़ाने और भूख को मिटाने के लिये व्यापक रूप से कैप्टागन का सेवन किया।
- कैप्टागन पिल्स एक शक्तिशाली एम्फैटेमिन-प्रकार की दवा है, जो अत्यधिक नशे की प्रकृति हेतु जानी जाती है एवं मुख्य रूप से सीरिया में निर्मित होती है।
- ये गोलियाँ/पिल्स केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के लिये उत्तेजक के रूप में कार्य करती हैं, जो उपयोगकर्त्ताओं की ऊर्जा में वृद्धि, बेहतर ध्यानकेंद्रण, अत्यधिक जागरूकता के साथ ही उनमें उत्साह पैदा करती हैं।
- मूल रूप से वर्ष 1960 के दशक में विकसित वास्तविक कैप्टागोन दवा, जो एक ही ब्रांड नाम साझा करती है, में फेनेटाइलमाइन समूह से संबंधित सिंथेटिक दवा फेनिथाइलामाइन शामिल थी, जिसमें एम्फैटेमिन शामिल है।
- हालाँकि इस प्रामाणिक संस्करण को वर्ष 1980 के दशक में प्रतिबंधित कर दिया गया था।

जतन वर्चुअल म्यूजियम बिल्डर

- यह भारतीय संग्रहालयों के लिये एक डिजिटल संग्रह प्रबंधन प्रणाली है। इसे पुणे स्थित सी-डैक के ह्यूमन सेंटर डिजाइन एंड कंप्यूटिंग ग्रुप द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।

- यह इमेज क्रॉपिंग, वॉटरमार्किंग, यूनिक नंबरिंग और मल्टीमीडिया रिप्रेजेंटेशन के साथ डिजिटल ऑब्जेक्ट्स प्रबंधन जैसी विशेषताओं से लैस एक क्लाइंट-सर्वर एप्लिकेशन है।
- यह 3डी वर्चुअल गैलरी बनाने के साथ वेब, मोबाइल या टचस्क्रीन कियोस्क के माध्यम से सार्वजनिक पहुँच प्रदान कर सकता है।
- कलाकृतियों के बेहतर संरक्षण के लिये केंद्र सरकार ने इस वर्ष के अंत तक अपने प्रशासनिक नियंत्रण वाले सभी संग्रहालयों के 3डी डिजिटलीकरण को पूरा करने की योजना बनाई है।

प्रोटोस्टेरॉल बायोटा

- वैज्ञानिकों ने ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र के समीप समुद्र तल में एक चट्टान के भीतर प्रोटोस्टेरॉल बायोटा के जीवाश्म अवशेषों की खोज की है। ये अवशेष प्रोटेरोज़ोइक ईऑन (Proterozoic Eon) अवधि के हैं जो जीवन के जटिल विकास में महत्वपूर्ण थे।
- यह एक सूक्ष्म जीव है जो यूकैरियोट्स नामक जीवों के परिवार से संबंधित है जिसमें माइटोकॉन्ड्रिया के संयोजन वाली एक जटिल संरचना होती है।
- यह प्राचीन जीव 1.6 अरब वर्ष पूर्व जलीय दुनिया में पाया जाता था। इसे पृथ्वी पर जीवन के विकास के स्रोत के रूप में देखा जा रहा है जो जीवनक्रम के उद्भव की जानकारी दे सकता है।

KAUTILYA ACADEMY INDORE